News Letter – November 2013

जैन शिक्षा समृद्धि के बढ़ते कदम

निदेशक श्री सुमत कुमार जैन, प्रशिक्षक श्री अशोक जैन तथा विशेषज्ञ डा0 एन0के0 जैन का बुन्देलखण्ड भ्रमण 11 नवम्बर से 16 नवम्बर 2013 – 23 से 29 अक्टूबर 2013 को प्रशिक्षक श्री अशोक जैन तथा विशेषज्ञ डा0 एन0के0जैन ने 8 अध्ययन केन्द्रों का भ्रमण किया। इसी श्रृंखला के क्रम में शेष 6 अध्ययन केन्द्रों का भ्रमण– **खरगापुर** (11 नवम्बर 2013), **बम्हौरी** (12 नवम्बर 2013), **भगवां** (13 नवम्बर 2013), **बड़ा मलहरा** (14 नवम्बर 2013), **बड़ागांव** (15 नवम्बर 2013), **जतारा** (16 नवम्बर 2013) हुआ। **इस भ्रमण में Tutors तथा शिक्षा समन्वयक की कार्य प्रणाली पर दृष्टिपात तथा 8 अक्टूबर को छतरपुर में प्रदत्त नियमावली के आधार पर क्लब सदस्यों को दायित्वबोध और अध्ययन केन्द्रों की गतिविधियों का गहराई से अध्ययन लक्ष्य था।**

(क) प्रत्येक अध्ययन केन्द्र पर 2–3 घण्टे की अवधि की Tutors तथा शिक्षा समन्वयक की बैठक– इस बैठक में Tutors की **Daily डायरी** तथा **आत्ममापक डायरी** का निरीक्षण किया गया

Meeting with Teachers & Coordinator

तथा यथाआवश्यक समुचित काउन्सलिंग की गई। **पाथवे ट्रेनिंग से Tutors Lesson Plan** करती हैं जिसमें छात्रों की प्रतिभागिता बढ़ती है। इस प्रकार बच्चों में **मौलिक चिन्तन को प्रोत्साहित** किया जाता है और **शिक्षण प्रक्रिया निर्देश के स्थान पर बच्चों की प्रतिभागिता से आगे बढ़ती** है। यह प्रभाव अध्यापक दर अध्यापक भिन्न–भिन्न होना स्वाभाविक है परन्तु इस दिशा में सभी केन्द्रों पर सभी Tutors का आगे बढ़ना उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय है। शेष Tutors को पाथवे ट्रेनिंग प्राप्त Tutors प्रशिक्षण देकर समकक्ष बनाने को प्रयासरत हैं, इस ट्रेनिंग के मुख्य बिन्दुओं पर विशेष चर्चा की गई। **भगवां तथा बड़ामलहरा** से कोई भी Tutor स्थानीय परिस्थितियों के कारण नहीं जा सके हैं, अतः इस दिशा में कुछ व्यवस्था हेतु चिन्तन करना है। **लाइब्रेरी पुस्तकों** को केन्द्र पर Display किया जाता है, बच्चों को यह पुस्तकें रोचक लगीं क्योंकि अनेक केन्द्रों पर कुछ बच्चों ने अनेक पुस्तकें पूरी–पूरी पढ़ डालीं। अध्ययन केन्द्रों को निर्देशित किया गया कि माह में कम से कम एक बार **अध्यापक अभिभावक बैठक** आयोजित की

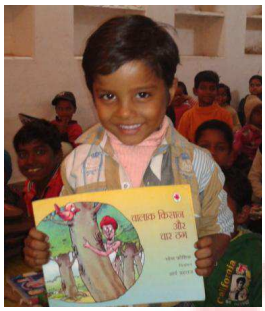

He Has Read This Book Fully

Books On Display at a Learning Centre

जाय और इन बैठकों में क्लब सदस्यों को भी आमंत्रित किया जाय। इन बैठकों में बच्चों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को बताया जाय तथा अपने लक्ष्य को स्पष्ट किया जाय कि यह केन्द्र कोचिंग सेन्टर या स्कूल तो नहीं हैं परन्तु यहां पर वह बताया जाता है जो अन्यत्र नहीं। इस बैठक में मैनुअल से **अभिभावकों से अपेक्षायें** की फोटो कॉपी कराकर वितरित कर अभिभावकों को उनके दायित्व का बोध कराया जाय। इसके अतिरिक्त शिक्षा समन्वयकों को JSSP 1,2,3,4 तथा **सम्मान राशि बिल** के फार्मों को भरना भी बताया गया। भगवां तथा बड़ामलहरा में 9 सितम्बर 2013, को प्रशिक्षित Tutors तथा शिक्षा समन्वयक के परिवर्तन से व्यापक गुणात्मक परिदृश्य देखने को मिला जिससे संबंधित केन्द्रों के अध्ययन वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन हुआ।

Excited Children

(ख) चलती हुई कक्षाओं का 1–1.5 घंटे भ्रमण– सभी केन्द्र स्वच्छ, हवादार, समुचित प्रकाश, पानी तथा Toilet व्यवस्था युक्त पाये गये। पाथवे ट्रेनिंग से प्राप्त Teaching Aids तथा लाइब्रेरी पुस्तकों से अध्यापन कार्य रोचक हो गया परिणामतः बच्चों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। बच्चों द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट और उसमें उनकी सहभागिता स्तरीय एवं प्रशंसनीय थी। अधिकांश अध्ययन केन्द्रों पर Recyclable waste material से बने मॉडल एवं Artefacts देखते ही बनते थे। इन केन्द्रों पर लगातार नियमित रूप से आ रहे बच्चों का बड़ा वर्ग है जो विशेष लाभान्वित हो रहा है। अध्यापकों को उन पर और अधिक ध्यान देने का निर्देश दिया गया। सभी केन्द्रों के बच्चों में विशेष उत्साह उल्लेखनीय था जो कि स्वयं कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है। सभी बच्चों के विद्यालयों के टेस्टों एवं परीक्षाओं के परिणाम उनके ऐकाडेमिक कार्यों की प्रगति को बता रहे थे। अध्यापकों को निरन्तर बच्चों के प्रगति रिपोर्ट से सम्पर्क बनाये रखने हेतु विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया तथा बच्चों से भी समय–समय पर अपनी प्राप्त प्रगति रिपोर्ट अपने–अपने अध्यापकों को दिखाने के लिए समझाया गया।

Objects Created by Children

(ग) क्लब सदस्यों के साथ 1.5–2 घंटे की बैठक– सभी को 8 अक्टूबर छतरपुर सम्मेलन में बताये गये उनके दायित्वों का बोध कराया गया तथा निम्न बातों पर विशेष जोर दिया गया–
(1) प्रति सप्ताह कम से कम एक बार अध्ययन केन्द्रों का अकस्मात निरीक्षण कर उनकी रिपोर्ट को **अकस्मात निरीक्षण रजिस्टर** में अंकित किया जाय जिसमें सुझाव एवं प्रोत्साहन दोनों हों।
(2) क्लब सदस्य साप्ताहिक बैठक करें तथा उसकी कार्यवाही **साप्ताहिक बैठक रजिस्टर** में अवश्य लिखें।
(3) अपने अध्ययन केन्द्र को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रयास करें जिससे इस प्रोजेक्ट को आगामी वर्षों में अधिक से अधिक विस्तार दिया जा सके, साथ ही इससे क्लब सदस्यों की रुचि एवं दायित्व बोध में वृद्धि होगी परिणामतः केन्द्रों की कार्य पद्धति में मात्र अवलोकन नहीं अपितु अपनापन आयेगा, उनकी रुचि बढ़ेगी तथा सम्मिलित प्रयास से केन्द्र नये आयाम प्राप्त करेंगे।
बड़ा मलहरा में विशाल धार्मिक आयोजन के कारण क्लब बैठक नहीं हो सकी, 1–2 सदस्यों से यही सन्देश अन्य को प्रसारित करने हेतु निवेदन किया गया।
(घ) विशेषज्ञ डा0एन0के0जैन की शास्त्र सभायें तथा उद्बोधन– सभी 6 स्थानों पर मंदिरों में

Dr. N. K. Jain Addressing the Community

विशाल शास्त्र सभायें हुईं। जैन शिक्षा समृद्धि द्वारा किये कार्यों का समाज पर सकारात्मक प्रभाव हुआ।

18 नवम्बर 2013 को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के देहली कार्यालय में विशेष बैठक– राष्ट्रीय पदाधिकारी अध्यक्ष श्री विजय जैन, महामंत्री श्री जीवेन्द्र जैन, कोषाध्यक्ष श्री प्रमोद जैन निदेशक श्री सुमत कुमार जैन, प्रशिक्षक श्री अशोक जैन, विशेषज्ञ डा0एन0के0जैन की देहली बैठक में बुन्देलखण्ड के 14 अध्ययन केन्द्रों के दोनों दौरों की गम्भीर समीक्षा की गई। प्रत्येक माह में एक दिन प्रत्येक केन्द्र द्वारा सामूहिक पूजन का आयोजन हो तथा इन केन्द्रों हेतु समाज के वरिष्ठ आचार्यों यथा आचार्य श्री विद्यासागर जी आदि का आशीर्वाद प्राप्त किया जाय। 4 दिसम्बर 2013 को वरिष्ठ पदाधिकारी आचार्य श्री विद्यासागरजी का इस हेतु आशीर्वाद नागपुर जाकर प्राप्त करें तथा यथाशीघ्र अन्य वरिष्ठ आचार्यों से सम्पर्क कर इस हेतु

आशीर्वाद प्राप्त किया जाय। यह भी निश्चय किया गया कि 12 जनवरी 2014 को जैन शिक्षा समृद्धि का प्रथम स्थापना दिवस बण्डा/शाहगढ़ में भव्य रूप से आयोजित किया जाय।

20–21–22 नवम्बर 2013 अहमदाबाद बैठक– राष्ट्रीय पदाधिकारी अध्यक्ष श्री विजय जैन, मंत्री श्री जवाहरलाल जैन, निदेशक श्री सुमत कुमार जैन ने जैन शिक्षा समृद्धि प्रथम स्थापना दिवस 12 जनवरी 2014 को बण्डा में आयोजित करना निश्चय किया। मुख्य अतिथि हेतु भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुधीर जैन कटनी की स्वीकृति प्राप्त की गई। भव्य आयोजन हेतु विस्तृत तैयारी की गई तथा इस अवसर पर जैन शिक्षा समृद्धि के कार्यकलापों की जीवन्त झांकी समाज के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु स्मारिका प्रकाशन का निश्चय किया गया जिसके सम्पादन का दायित्व निदेशक श्री सुमत कुमार जैन को सौंपा गया।

प्रस्तुति– सुमत कुमार जैन निदेशक प्रचार–प्रसार जैन शिक्षा समृद्धि